भूमिका

हारमोनियम शिक्षा का पहिला भाग सन १९२४ में प्रकाशित हुवा था वह अल्प समय में ही समाप्त हो गया और उसका दूसरा संस्करण सन १९३० में निकाला गया इस प्रकार जनता की अभिरुचि को इस ओर बढती हुई देखकर आनंद हुवा. इस वास्ते हमने हारमोनियम शिक्षा के दूसरे भाग का प्रकाशित करने का साहस किया है. श्री परमात्मा की कृपा व श्रीगुरुदेव के अनुग्रह से इस सुअवसर की प्राप्ती हुई है। पहिले भाग में जिन चीजों का तालबद्ध नोटेशन दिया है इस दूसरे भाग में उन्हीं चीजों को बढाने के लिये उनके आलाप-तान पलटे व फिरकतें आदि दी गई है ! सज्जन गण दोनों भागों के नियामित अभ्यास से हारमोनियम बजाने में प्रवीण तो हो ही सकते है इसके सिवाय हमारा नोटेशन सरल व शुध्द होने के कारण यदि कोई विद्यार्थी गाना सीखना चाहे तो वह नोटेशन के अनुसार गायन भी सीख सकता है.

आवश्यक सूचना—जिनको हारमोनियम बजाना हो वह नीचे की सरगम से सीखें. जिनको गायन का अभ्यास करना हो वह नीचे के सरगम के मुआफिक ऊपरी आकार से करें.

हारमोनियम की उत्पत्ति अधुनिक काल से जगत में हुई है इसका प्रचार जनता में बहुत होने का कारण यह वादन सुलभ है. इसके पडदों की रचना सरल होने से नयासे नया आदमी भी जिस पडदे के ऊपर हाथ रखेगा वह भी सुरीला स्वर निकल सकता है. यही कारण इसके सर्वत्र प्रचार का है. इसके बजाने में निपुण गुणीजनों का नाम उल्लेख बगैर नहीं रहा जाता है। हिन्दुस्थान के प्रसिद्ध और वादनांचार्य कै० गणपतराव भैया साहब जिन्हों ने इस वादन में पूर्णता की और अनेक योग्य शिष्य जैसे शामलाल बाबू, गफूरखां, झुंगीखां वगैरा अनेक तैयार किये है. दक्षिण-प्रांत में रा० गोविंदराव टेंबे, और रा० देवीदास

सुरदासजी इन्हों न भी कमाल की है. पंजाब में खुषियाजी भी अच्छे है हम को सच्चे दिल से गुणीजनों के योग्य गुण की प्रशंसा हमेश खुले दिल से करना चाहिये.

नहीं तो आज कल गुणीजनों की नाहक त्रुटियांही संगीत के कई ग्रंथकार दिखलाते है के यह लोग बतलाते नहीं है अगर बतलाते नहीं तो यह विद्या शेष जीवीत कैसी रही है या आज कल कीसीने नई बनाई है ? ऐसे लेखन तथा भाषण द्वारा गुणीजनों की नाहक निंदा करके अपना मान बढाना यह कोई सभ्यता का काम नहीं है. यह विद्या खुद अभ्यास द्वाराहीगुरु परंपरा से तैयार होती है. ना खाली ग्रंथो से ना बातों से, आज कल की पॉलीसी यह है के तैयार दूसरों से कराना और नाम अपना रखना यह कोई न्याय है ? अनुभव से आज कल के गुणी जन इतने भोले नहीं है ! अस्तु.

आजकल संगीत के कई ग्रंथकार गुणीजनों को डिगरियां प्रदान करते हुवे दिखाई देते है वह कौनसी? तो गुणीजनों को अशिक्षित से सम्बोधित करते हैं वास्तव में क्या गुणीजन अपने अपने कामों में वह सुशिक्षित नहीं है ? या जो ग्रंथकार दूसरी डिगरियां हासिल करके यह गुणीजनों के विषय में कहते वोही अशिक्षित है यह योग्य पाठकगण और गुणजिन ही जान सकते है.

इस पुस्तक की छपाई गवालियर के प्रसिध्द अलीजाह दरबार प्रेस के योग्य मेनेजर यशवंतराव तानाजी मानगावकर की निगरानी में हुई है उन्होंनें शंकर गांधर्व विद्यालय की ग्रंथावली के मुद्रण में सदा सहायता प्रदान की है, वैसेही मुकुन्दराव कृष्ण दंडवते इन्हों ने भी पुस्तक लिखने में सहायता की है अतः उन्हें जितने धन्यवाद दिये जाय थोडेही है ।

अंत में गुणिजनों से निवेदन है कि हंसक्षीरन्याय से यदि इस पुस्तक में कोई त्रुटियां हो या सम्मत्ति प्रदान करना चाहे तो वह हमारे पास भेज देवें ताकि दूसरे संस्कारण के समय उसका भली प्रकार विचार कर सकूं.

ता: ९ अक्टूबर सन १९३२ ई०. } आपका—
कृष्णराव पंडित.

विषय सूची.

नंबर	विषय			पृष्ठ संख्या.

नोटेशन चिन्ह.

१. जिन स्वरों के नीचे — यह चिन्ह हों उन्हें मंद्र सप्तक का स्वर समझना चाहिये जैसे म, प.

२. जिन स्वरों पर कुछ चिन्ह न हो उन्हें मध्य सप्तक के स्वर समझना चाहिये जैसे ग, प.

३. जिन स्वरों के ऊपर — यह चिन्ह हो उन्हें तार सप्तक का स्वर समझना चाहिये जैसे—ग, सा.

४. कोमल स्वर के लिये नीचे चिन्ह दिये गये है जैसे—रे ग ध नि.

५, तीव्र स्वर के लिये स्वर के नीचे चिन्ह दिया गया है जैसे—म.

६. जिन स्वरों के आगे ऽ यह चिन्ह हो वह स्वर एक मात्रा काल तक बढाया जावे, और जिन अक्षरों के आगे ० यह चिन्ह हो वहां भी एक मात्रा ठहरना चाहिये. एक से अधिक जितने ऐसे चिन्ह होंगे उतनेही काल तक वह स्वर या अक्षर बढाया जावे

७. जिन स्वरों के नीचे ‿ यह चिन्ह हो उन स्वरों को एक मात्रा में कहना चाहिये. और जहां दो स्वर ऊपर नीचे लिखे हो वहां पर पहिले ऊपर के स्वर का उच्चारण करके फिर नीचे का कहना चाहिये जैसे—ध/प.

(ताल संकेत)

८. १ ला ताल. २ रा ताल. ३ रा ताल. काल. ४ था ताल.

सा॑ ग॑ म॑ पं ग॑

विद्यार्थियों को पुस्तक के आरम्भ करते समय नोटेशन संकेत को अवश्य समझ लेना चाहिये. जिससे इस विषय के समझने में बहुत सुगमता प्राप्त होगी.

राग यमन.

इस राग में तीव्र मध्यम और कभी कभी शुद्ध मध्यम लगता है. इस राग का समय शाम का पहिला प्रहर है. यह राग शुभदायक और कल्याण कारक है शांतीरस प्रधान है. यह यमन मेल का मुख्य राग है. इसका वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है.

आलाप (त्रिताल)

सावरजी से—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि॒ रे ग रे नि॒ रे ध॒ सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे ग म् रे ग ॥

३. आ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
ग रे ग म् ग प म् ग ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म् रे ग म् ध प रे ग म् प रे ग रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म् ग प ध प नि ध प म् ग रे ग नि॒ रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म् ग ध प नि ध सां रें सां नि ध नि ध प म् ॥

७. आऽऽऽआऽऽऽआऽऽऽआऽऽऽ ॥
प ध नि ध सां रें गं रें सां नि ध नि ध प मॅ ग ॥

८. आऽऽऽआऽऽऽऽऽऽऽआऽऽऽ
ग मॅ प ध नि ध सां गं रें गं मॅं गं रें सां नि ध

ऽऽआऽऽऽऽऽ ॥
प मॅ ग रे नि़ रे ग रे ॥

९ आऽऽऽआऽऽऽऽआऽऽआऽऽऽ
ग मॅ ग प नि ध सां गं रें गं मॅं पं रें गं रें सां

आऽऽऽआऽऽऽऽऽऽऽ ॥
नि ध प मॅ ग प रे ग रे सा रे सा ॥

तान.

१. आऽऽऽआऽऽऽऽऽऽऽआऽऽऽ ॥
सा रे ग रे सा रे ग मॅ ग रे ग रे सा रे सा सा ॥

२. आऽऽऽआऽऽऽऽऽऽआऽऽऽऽ ॥
नि़ रे ग मॅ रे ग मॅ प मॅ ग रे नि़ रे ग रे सा ॥

३. आऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽआऽऽऽ ॥
सा रे ग मॅ प ध नि ध प मॅ ग रे सा रे सा सा ॥

४. आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म् प ध नि सां नि ध प म् रे ग रे सा रे सा ॥

५. आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म् प ध नि रें गं रें सां नि ध प म् ग रे सा ॥

६. आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म् प ध सां रें गं म् प म् गं रें सां नि ध प ॥

फिरकत.

१. आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आँऽ
सा रे ग म् प म् ग रे ग म् प ध प म् ग रे ग म्
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आँऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प ध नि ध प म् ग रे ग म् प ध सां रें गं रें सां नि
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म् ग ॥

तान उतरती.

१. आंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म्

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥

ध प म॒ ग प म॒ ग रे ॥

राग भूपाली.

इस राग में मध्यम निषाद वर्ज है और यह बहुत मधुर राग है इसका वादी स्वर गंधार और संवादी धैवत है. इसका समय रात्रि का पहिला प्रहर है. यह यमन मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

टेर सुनो—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे ग सा रे ध॒ सा ॥

२. आ ऽ ऽ, आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग, ग रे प ग ग रे ग सा रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग प ग ध प ग रे प ग रे सा रे ध॒ सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग रे ग प प ध प ग रे प ग ग रे सा रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ
ग प ध प ग रे ग प ध सां प ध प सां
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प ग रे सा रे ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग रे प ग ध प ग रे ग प ध सां प ध सां रें
आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
गं सां रें ध सां ध प ग रे सा रे सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग प ध सां प ध सां रें गं रें पं गं रें सां
आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां ध प ग रे प ग रे सा ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे सा सा रे ग प प ग रे ग रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग प ध सां सां ध प ग रे प ग रे सा रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग प ध सां रें गं रें सां सां ध प ग रे प ग रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे ग प ध सां रें गं पं पं गं रें सां सां ध प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग रे प ग रे सा रे सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे ग रे ग प ग रे ग प ध प ग रे ग प ध सां

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ध प ग रे ग प ध सां रें गं रें सां सां ध प ग

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रे प ग रे सा सा ॥

उतरती.

१. ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां ध रें सां ध प सां ध प ग ध प ग रे

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प ग रे सा ग रे सा सा ॥

राग केदारा.

इस राग में मध्यम दोनों लगते है यह बहुत सुकुमार और मधुर राग है. इसका समय रात्री का पहिला प्रहर है. इसका वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है. यह यमन मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

सुन लेवो बात—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे सा म म प म रे सा रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा म म प प ध प म प म रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग प प ध नि ध प म प ध प म प म रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
म प ध प सां नि ध प म प नि ध प ध प म
आ ऽ ऽ ऽ ॥
प म रे सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म् प ध प सां सां ध नि रें सां नि ध प म प म
आ ऽ ऽ ऽ ॥
रे सा रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
म प ध प सां ध नि रें सां मं मं रें मां रें सां
ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध प म ध प म रे सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
म प ध प सां ध नि रें सां मं मं रें सां पं मं
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां ध प म प म रे सा ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे सा म म रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा म प म म रे सा सा ॥

३. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा म प ध प म रे सा ॥

४. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा म प सां नि ध प म् प ध प म म रे सा सा ॥

५. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म म प सां रे सां नि ध प म् प ध प म रे सा ॥

६. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म म प सां मं मं रें सां नि ध प म् प ध म रे ॥

७. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प सां मं पं मं मं रें सां नि ध प म ग रे सा ॥

फिरकत.

१. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा म प म् प ध नि ध प म् प ध नि सां नि ध प म्

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प ध नि सां रें सां नि ध प म् प ध नि सां मं मं

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां नि ध प म ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म ध प म म ॥

राग हमीर.

इस राग में मध्यम दोनों लगते है आरोही आवरोही ओडव सम्पूर्ण है, यह वीर रस प्रधान राग है. इसका वादी स्वर धैवत और संवादी गंधार है. आरोह में निषाद वक्र किया जाता है और अवरोहीं में गंधार वक्र किया जाता है इसका समय रात्री का दुसरा प्रहर है, यह यमन मेल का राग है.

आलाप (एकताल)

तेरेतो सरस्वती—

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे सा ग म प ग म रे सा रे सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म ध प ग म प ग म रे सा रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध प नि ध सां ध प म् प ध प ग म रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा रे सा ग म ध नि ध सां रें सां ध प ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प ग म रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म ध नि ध ध सां गं मं रें सां नि ध प
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प ग म रे ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
म ध नि ध सां गं मं रें सां प गं मं रें सां सां रें सां
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
ध प म् प ध प ग म रे ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे सा ग म रे सा रे ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म प ग म रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध प ग म रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध नि ध प म् प ग म रे सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म ध नि सां नि ध प ग म रे ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
गं म ध नि सां गं मं रें सां नि ध प ग म रे सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग म ध नि ध सां गं मं पं गं मं रें सां नि

आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
ध प ग म रे सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग म ध ध प म् ध नि ध प म् ध नि सां नि

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ध प म् ध नि सां गं मं रें सां नि ध प ग म प

आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म रे सा ॥

उतरती.

१. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ
गं मं रें सां रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म

आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
ध प ग म प ग म रे ॥

राग बिहाग.

इस राग में मध्यम दोनों लगते है. इस राग का गाने का समय रात्री का दुसरा प्रहर है इसका वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है. यह यमन मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

देखो सखी—

१. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग रे सा सा म प म् ग म ग सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ग प प ध प प म् ग म ग रे सा नि सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म प म् ग म ग नि ध प म ग रे सा नि ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
ग म प नी प नि सां नि ध प म् ग म ग रे सा नि ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि ध प सां नि सां गं रें सां नि प म् ग
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग सा नि ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि प नि सां गं रें सां गं मं पं मं गं रें
आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध प म् ग म ग रे सा ॥

तान,

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग ग रे सा ग म प म् ग म ग रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म प नि नि ध प म ग म ग रे सा सा नि ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि सां नि ध प म ग म ग रे सा नि सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि सां ग रें सां नि ध प म ग म ग रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग म प नि सां गं मं पं मं गं म गं रें सां नि ध

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग म ग रे सा सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प म ग म प नि नि ध प म ग म प सां

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि ध प म ग म प नि सां गं गं रें सां नि ध प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग म ग रे सा ॥

उतरती.

१, आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म् ग म ग रे सा ॥

राग खमाज.

इस राग में निषाद दोनों लगते है, इस राग का गाने का समय रात्री का दुसरा प्रहर है. और इस राग का चाहे जिस वक्त गाने का प्रचार भी है इसका वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है. यह खमाज मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

जगत पती—

१. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग रे सा सा ग म म प म म ग रे ॥

२. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ॥
सा ग रे सा सा ग म प म ग रे ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ॥
सा ग म प ग म प ध प म ग म ग रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
म प ग म प नि ध प म ग म प म म ग रे सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ग म प नि ध प म ग म नि सां नि सां नि ध प
ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि ध प म ग म प म म ग ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि ध प म ग, म नि सां नि सां सां
आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
गं रें सां सां नि ध प ग म प ध प म ग ग म प ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म नि सां नि सां, सां गं रें सां, सां गं मं मं पं
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
मं मं गं रें सां, सां गं रें सां रें/सां नि ध प ग
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प ध नि सां ॥

तान.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग ग रे सा नि सा ग म प म ग रे ॥

२. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
सा ग म प नि ध प म ग रे सा सा ग म प सां

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध प म ग रे ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प सां रें सां नि ध प म ग म प ध नि ध

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे सा सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि सां गं गं रें सां नि ध प म ग

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प म ग म ग रे सा ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि सां गं मं पं मं गं रें सा नि ध प ध नि ध

ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
प म ग म प म ग रे ग रे सा सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग म प म ग म प नि ध प म ग म प सां
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि ध प म ग म प नि सा ग ग रे सा नि ध प
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध नि ध प म ग ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग रे सा नि रे सा नि ध सा नि ध प नि ध प म
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग प म ग रे म ग रे ग रे सा ॥

राग देस.

इस राग में निषाद दोनों लगती है यह मिष्ट रागीनी है. इसका गाने का समय रात्रीं का दुसरा तथा तीसरा प्रहर है, इसको वर्षा रुतु में लोक हमेशा गाते हैं इसका वादी स्वर पंचम और संवादी रिषभ है यह भक्ती रस प्रधान राग है. यह खमाज मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

म्हारी सुद लीजे—

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे म ग रे, रे ग सा सा नि रे सा रे नि ध प

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प नि सा, रे रे ग सा ॥

२. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽऽ ऽऽ आंऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म ग रे रे म प म प म म ग रे रे ग नि सा ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
रे म ग रे रे म प ध प म ग रे रे ग नि सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे म ग रे म प नि ध प म प ध म ग रे

आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
रे प म ग रे रे ग सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
रे म ग रे म प नि ध प म प नि सा नि ध प
आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ध म ग रे रे ग नि सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प नि ध प म प नि सा रे सा रे नि ध प ध
आ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग रे सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
म प नि सा सा रे म ग रे रे ग नि सा सा नि रे सा
ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
रे नि ध प ध ध प प म प ध म ग रे म प सा ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म ग रे सा सा रे म प म ग रे ग सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म प ध प म ग रे म प म ग रे ग सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म प नि ध प ध म ग रे ग सा सा रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रे म प सां नि ध प ध म ग रे म प म ग रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
रे म प नि सा रे रें सां नि ध प ध म ग रे म
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे ग सा सा रे ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प नि सां रें मं पं मं गं रें गं सां सां रें सां नि
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प ध ध प प म प ॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

निसा रेम ग रे म प म ग रे म प नि ध प म ग

ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

रे म प सां नि ध प म ग रे म प नि सां रें रें

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥

सां नि ध प ध म ग रे म प म ग रे ग ॥

उतरती.

१. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ

गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म

आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥

ध प म ग प म ग रे म ग रे ग नि सा रे सा ॥

राग तिलंग

इस राग में धैवत वर्ज और निषाद दोनों लगते है. यह राग सायंकाल के पहिले और दुसरे प्रहर में गाया जाता है. यह राग मधुर और चित्त को आकर्षण करनेवाला है इसका वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है. यह खमाज मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

कान्ह मुरली वाले—

१. आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग सा सा ग म म प म म ग सा नि सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा ग सा सा ग म प ग म प नि प म ग म प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म म ग म ग सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग म प ग म प नि प म ग म प नि प नि सां

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सां नि प म ग म प ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ग म प म प नि प म ग म प नि पनिसां सांगं सां

आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सां रें सां सां नि प म ग म प म म ग म ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग म प नि प म ग ग म प नि नि सां सां गं सां

आं ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सां गं मं मं पं मं मं गं सां सां गं सां सां नि प म

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि । नि प ॥

तान.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग ग सा नि सा ग म प म ग म ग सा सा ॥

२. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प नि नि प म ग म प म ग म ग ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प नि सां नि प म ग म प म ग सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
सा ग म प नि सां गं गं सां नि प म ग म प नि

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग म प म ग म ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प नि सां गं मं पं मं गं सां नि प म ग म

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प नि प नि प म ग म ॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प म ग म प नि प म ग म प नि

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सां नि प म ग म प नि सां गं गं सां नि प म ग

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प नि नि प म ग म ॥

उतरती.

. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
मं गं सां नि, गं सां नि प, सां नि प म, नि प म ग,

आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि प म ग म ॥

राग सारंग.

इस राग में गंधार, धैवत वर्ज और निषाद दोनों लगते है यह दिनके दो प्रहर के समय गाया जाता है यह ओडव राग है. इसका वादी स्वर पंचम और संवादी स्वर रिषभ है. यह खमाज मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

ढूंढूंगी मैं—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे सा रे सा सा नि नि प सा नि प नि सा रे

आ ऽ ऽ ॥
रे नि सा

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म, म प, प म रे सा रे सा सा नि सा ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
सा रे म, म प, प नि प नि नि प प म रे सा रे

ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म रे सा रे सा सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
म प रे म नि प सां नि प नि सां नि प प म रे

आं ऽ ऽ ऽ ॥
म प रे म ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प नि सां प नि सां रें सां रें सां नि प म प नि

आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
प म रे म प म रे सा ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
म प नि सां रें सां रें म रें सां रें सां नि प नि नि

ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
प प म रे म प ॥

७. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
म रे म प नि प सां प नि सां रें नि सां रें मं रें

आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
पं मं मं रें सां सां रें सां सां नि नि प सां नि प प

ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ॥
म रे म प नि सां ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
निसा रेम रेसा निसा रेम पम रेम रेसा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
निसा रेम पनि निप म रे मप म रेसा सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
निसा रेम पनि सा नि पम रेम पम रेसा ॥

४ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
निसा रेम पनि सा रे रे सा नि प म रे सा सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
निसा रेम पनि सा रे म रे सा नि प मप नि

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि प म रे मप म रे ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
निसा रेम पनि सा रे म पम रे सा रे सा नि

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म रे म प म रे सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
नि सा रे म प म रे म प नि नि प म रे म प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सां नि प म रे म प नि सां रें सां नि प म प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सां रें मं पं मं रें सां रें सां नि प म प नि नि

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म रे म प म रे सा ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
पं मं रें सां, मं रें सां नि, रें सां नि प, सां नि प म,

आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि नि प म रे म प म ॥

राग मांड.

इस राग में सब शुद्ध स्वर लगते है मगर कभी कभी दोनों निषाद भी लगती है. यह राग रात्रौ के दुसरे प्रहर गाया जाता है. मगर इसको हर समय भी बहुत गाते है. इसका वादी स्वर गंधार और संवादी निषाद है. यह बिलावल मेल का राग है.

आलाप (ताल दादरा)

नरहारी नाम—

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग सा सा रे म म प म म ग सा रे ग सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म म प ग म प ध नि ध प म ग सा रे ग सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म ग म प ध नि ध सां सां नि ध प म ग रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म प ध नि ध सां सां रें सां रें सां सां ध प ध प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग सा रे ग सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग म प ध सां सां रें सां रें सां रें ध प ध सां रें

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
गं सां रें गं रें सां नि ध प म ग रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म प ध नि ध सां सां रें सां नि ध प ध सां रें

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
गं सां रें गं पं गं रें सां सां रें सां सां नि ध प म

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग सा रे सा रे ग ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
सा रे ग म ग सा रे ग रे सा सा रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग प म ग सा रे ग रे सा सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म प ध नि प म ग सा रे ग ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ
ग म प ध सां नि ध प म ग सा रे ग रे

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे सा सा ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ॥
ग म प ध सां रें गं रें सां नि ध प म ग रे सा रे सा॥

७. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ॥
ग म प ध सां रें गं पं गं रें सां नि ध प म ग रे सा॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे म ग रे म प म ग रे ग म प ध नि ध

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प म ग रे ग म प ध सां नि ध प म ग रे ग

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प ध सां रें गं रें सां नि ध प म ग रे सा रे ॥

उतरती.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग प म ग रे ॥

राग काफी.

इस राग में गंधार निषाध कोमल लगते है. इस राग को कई लोग फागुन में ही कहते हैं. इस राग का गाने का समय दिन के तिसरा प्रहर है परन्तु गाने बजानेवाले हमेश गाते है, इसका बादी स्वर पंचम और संवादी स्वर षड्ज है. यह काफी मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

कृष्ण मुरारी—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग॒ रे सा नि॒ सा रे ग॒ म प म म प म म ग॒ रे सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि॒ सा रे ग॒ म प म प ग॒ म प ध नि॒ ध प
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग॒ रे ग॒ म ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि॒ सा रे ग॒ म प म प, ग॒ म प ध नि॒ ध प सां नि॒
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग॒ रे नि॒ सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा रे ग॒ म प म प ग॒ म प ध नि॒ ध प सां नि॒
ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ध प म प नि॒ सां रें सां नि॒ ध प म म प
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म म ग॒ रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग॒ म प म प ग॒ म प ध नि॒ ध प सां नि॒ ध प

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प नि सां रें ग रें सां नि ध प म ग रे ग म ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म प ध नि ध प सां नि ध प म प नि सां रें सांम
ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
गं रें सां नि सां रें नि ध प ग म प ध नि रें सां ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे ग रे सा नि सा रे ग म प म ग रे सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे ग म प ध प म ग रे ग म ग रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे ग म प ध नि ध प म ग रे ग रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म प ध नि सां नि ध प म ग रे ग म ॥

५. आऽऽऽऽऽऽऽ आऽऽऽऽऽऽऽ
सा रे ग़ म प ध नि़ सां रें रें सां नि़ ध प म ग़

आऽऽऽऽऽऽऽ ॥
रे ग़ म प म ग़ रे सा ॥

६. आऽऽऽऽऽऽऽ आऽऽऽऽऽऽऽ
सा रे ग़ म प ध नि़ सां रें ग़ रें सां नि़ ध प म

आऽऽऽऽऽऽऽ ॥
ग़ म ग़ रे सा रे नि़ सा ॥

७. आऽऽऽऽऽऽऽ आऽऽऽऽऽऽऽ
सा रे ग़ म प ध नि़ सां रें ग़ मं ग़ रें सां नि़ ध

ऽऽआऽऽऽआऽ ॥
प म ग़ म प ध नि़ सां ॥

फिरकत.

१. आऽऽऽऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽऽऽऽ
नि़ सा रे ग़ म प म ग़ म प ध नि़ ध प म ग़

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प ध नि सां नि ध प म ग म प ध नि सां रें

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
रें सां नि ध प म ग म प ध नि ध प म ग रे

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ग रे सा रे नि सा ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प म ग रें म ग रें सां ग रें सां नि रें सां नि ध

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सां नि ध प नि ध प म ध प ग म प ध नि सां ॥

राग भीमपलासी.

इस राग में गंधार निषाद् कोमल लगते है यह दिनके तिसरे प्रहर गाया बजाया जाता है इसका वादी स्वर मध्यम और संवादी षड्ज है. यह काफी मेल का राग है.

आलाप (त्रिताल)

सखी मांनत नांही—

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग रे सा सा रे सा सा नि नि सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग रे सा नि सा म ग सा ग म ग रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग रे सा नि सा म, ग म ग प, म प म ग म

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प ग रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग रे सा ग म ग प म प नि ध प प ध प प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग म प ग रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा म ग म प नि ध प म प नि प नि सां

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सां रें सां सां नि नि सां नि ध प म प नि ध प

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प म ग म ग रे ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प ग म प नि सां नि सां ग रें सां रें सां नि सां

ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध प म प ग म सा ग म ग ॥

७. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प नि प नि सां नि सां ग रें सां ग मं ग रें सां

ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि प नि सां नि ध प म प नि ग म ग रे ॥

तान.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग ग रे सा नि सा ग म प म ग म प म

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग़ म ग़ रे ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग़ म प नि नि ध प म ग़ रे सा ग़ म ग़

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रे नि सा रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग़ म प सां नि ध प म ग़ म प म ग़ म

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग़ रे ग़ रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग़ म प नि सां रें रें सा नि ध प म ग़ म प

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग़ रे सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा ग़ म प नि सां ग़ं मं पं मं ग़ं रें सां नि ध प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प नि नि ध प म प ग म ग रे ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि सा ग म प म ग म प नि नि ध प म ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
प सां नि ध प म ग म प नि सां रें रें सां नि ध
ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प म ग म प नि नि ध प म ग म प म ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग रे ग रे ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
मं मं ग रें ग ग रें सां रें रें सां नि सां सां नि ध
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि नि ध प ग म प म ग म ग रे ॥

———

राग बागेसरी.

इस राग में गंधार, निषाद कोमल लगते है. यह राग रात्रौ तिसरे प्रहर गाया और बजाया जाता है. इसका वादी स्वर मध्यम और संवादी स्वर षड्ज है. इस राग का आरोही षाडव और अवरोही संपुर्ण है, पंचम कम लगता है. यह काफी मेल का राग है.

आलाप (झपताल)

बिनती सुनो—

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग रे सा नि सा नि ध म ध नि सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग रे म ग रे सा म प ग रे म ग रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म ध ध नि ध म प ध म ग रे म ग रे सा रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म ध नि ध सां सां रे सां सां नि ध ध नि ध

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग रे सा रे ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म ध नि सां ध नि सां ग रें सां सां रें सां सां

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध म ग रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म ध नि सां ध नि सां मं ग रें सां नि ध म प

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध म ग रे सा ग रे ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे ग रे सा नि सा रे सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे ग म ग रे ग रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म ध म ग रे म ग ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध नि ध म प ध म ग रे म ग रे सा सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध नि सां नि ध म ग रे ग म ग रे सा सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म ध नि सां रें रें सां नि ध म प ध म ग रे ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म ध नि सां मं गं रें सां सां रें सां नि ध म ग रे ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
सा रे ग म ग रे ग म ध म ग रे ग म ध नि

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ध म ग रे ग म ध नि सां नि ध म ग रे ग म

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध नि सां रें रें सां नि ध म प ध म ग रे ॥

उतरती.

१. आऽ ऽ ऽऽऽऽऽऽ आऽ ऽऽऽऽऽऽ
म ग़ रे सा, ग़ रे सा नि, रे सा नि ध, सा नि ध म,

आऽऽऽऽऽऽऽऽ आऽऽऽ ऽऽऽऽ
नि ध म ग़, ध म ग़ रे, म ग़ रे सा ग़ रे सा नि

ऽऽ ऽऽ ॥
ध नि सा सा ॥

राग भैरव.

इस राग में रिषभ, धैवत कोमल, और सब शुद्ध स्वर लगते है. यह राग प्रातःकाल के पहले प्रहर में गाया और बजाया जाता है. इस राग का वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर रिषभ है. यह भैरव मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

जागो मोहन प्यारे—

१. आऽऽऽ आऽऽऽऽ आऽऽऽऽऽऽ ॥
नि सा रे सा नि सा नि ध प नि ध सा रे सा ग म ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ आ ऽ ऽ ॥
सा रे सा ग म प म ग रे ग म ग रे सा रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे ग म रे ग म प म ध प म ग रे ग म
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
रे ग म प ध प नि ध प म ग म प म ग रे
आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
रे ग म प ध नि ध सां रें सां नि ध प ग म प
आ ऽ ऽ ऽ ॥
म ग रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
ग म नि ध सां रें सां गं मं गं रें सां रें सां नि ध

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग म प म ग रे ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
म प ग म नि ध सां रें सां ग मं पं मं ग रें सां

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां नि ध प म ग म प ध नि सां ॥

तान.

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग ग रे सा नि सा ग म प म ग रे सा सा ॥

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प ध प म ग रे ग म ग रे सा सा ॥

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प नि नि ध प म ग रे ग म प म

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग रे ग रे सा रे सा सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प ध नि सां नि ध प म ग रे सा सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प ध सां रें सां नि ध प म ग रे ग
ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प म ग रे ग रे सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प ध नि सां गं गं रें सां नि ध प म
आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प म ग रे सा सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प ध नि सां गं मं पं मं गं रें सां नि
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग रे ग रे सा ॥

फिरकत.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प म ग म प ध प म ग म प ध

आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि ध प म ग म प ध नि सां नि ध प म ग म

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
प ध नि सां गं गं रें सां नि ध प म ग म प म

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग रे ग म ग रे सा सा ॥

उतरती.

१. आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म

आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग प म ग रे म ग रे सा ग रे सा सा ॥

राग असावरी.

इस राग में गंधार, धैवत, निषाद कोमल लगते है. यह राग प्रातःकाल दुसरे प्रहर में गाया जाता है. इसका वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर गंधार है. यह असावरी मेल का मुख्य राग है.

आलाप (झपताल)

लाल अलसा—

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे सा रे म रे म प ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
सा रे म रे म प ध़ प ध़ म प ग़ रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म प ध़ प नि़ ध़ प ध़ म प ग़ ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा रे म प ध़ प नि़ ध़ प सां नि़ ध़ प म प
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध़ प ग़ रे सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे म प ध़ प नि़ ध़ प म प ध़ नि़ सां रें सां
आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि़ ध़ प म प ध़ ध़ प प म ग़ ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
रे म रे प म प ध़ प नि़ ध़ प म प ध़ सां
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ध़ सां रें गं रें सां रें नि़ ध़ नि़ सां नि़ ध़ प ध़

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म प ग़ रे सा ॥

७. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
म प ध़ सां ध़ सां रें रें गं रें सां रें प म ग़

आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रें सां रें नि़ ध़ प म प ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि़ सा रे ग़ रे सा नि़ सा रे म प म ग़ रे सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि़ सा रे म प नि़ नि़ ध़ प म प ध़ प ग़ रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे म प ध़ नि़ सां नि़ ध़ प म प ध़ प म ग़ ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि़ सा रे म प ध़ नि़ सां रें रें सां नि़ ध़ प म ग़

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रे सा नि़ सा ॥

५. आंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
निसा रेम पध निसां रेंगं रेंसां नि ध प म
ऽऽऽ ऽ ॥
ग रे सा सा ॥

६. आंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
म प ध नि सां रें मं पं मं गं रें सां नि ध प म
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प नि नि ध प म प ध म प ॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ
निसा रेम पनि निध प म प ध निसां निध
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प म प ध निसां रें सां निध प म प धानि सां
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
रें मं पं मं गं रें सां नि ध प म ग रे सा ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग़ रे सां नि रे सां नि ध सां नि ध प नि ध प म
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग रे म प ध म प ॥

राग मुलतानी.

इस राग में रिषभ, गंधार, धैवत कोमल और मध्यम तीव्र लगते है. यह रागिनी दिन के तिसरे प्रहर में गाई और बजाई जाती है इसका वादी स्वर पंचम और संवादी स्वर षड्ज है आरोह में रिषभ, धैवत वर्ज. यह तोडी मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

सुंदर सुरजवा –

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
नि सा रे सा म् ग रे सा नि सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा रे सा म् ग प म् ग म् ग रे सा सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ॥
नि सा म् ग सा ग म् ग रे सा ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
निसा म् ग पनि ध प म् ग म् ग रे सा ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ
नि सा म् ग म् प नि सां रें सां नि ध प म्

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म् ग रे ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ग म् प नि सां गं रें सां नि ध प म् प ग

ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म् ग रे सा ॥

७. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ
म् ग प म् प नि सां गं मं गं रें सां सां रें सां सां

आ ऽ ऽ ऽ ॥
नि ध प म् ॥

८. आं ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ
ग म् प नि सां गं मं पं मं गं मं गं रें सां नि ध

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
प म् ग म् प नि ॥

तान.

१. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा म् ग रे सा नि सा ग ग रे सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म् प म् ग म् ग रे सा सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म् प नि नि ध प म् ग रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म् प नि सां रें सां नि ध प म् ग
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म् ग रे सा नि सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा ग म् प नि सां गं गं रें सां नि ध प ग म् प
ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
म् ग रे सा ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ग़ म् प नि सां ग़ म् प म् ग़ म् ग़ रें सां नि ध़

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म् ग़ म् प नि नि ध़ प म् ग़ म् ॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
नि सा ग़ म् प म् ग़ म् प नि नि ध़ प म् ग़ म्

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ
प सां नि ध़ प म् ग़ म् प नि सां ग़ ग़ रें सां नि

ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध़ प म् ग़ म् प म् ग़ म् ग़ रे सा ॥

उतरती.

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग़ रें सां नि रें सां नि ध़ सां नि ध़ प नि ध़ प म्

आ ऽ ऽ ऽ ॥
ग़ म् प म् ॥

राग भैरवी.

इस राग में रिषभ, गंधार, धैवत, निषाद कोमल लगते है इस रागिनी का गाने का समय प्रातःकाल का पहिला प्रहर है. इसका वादी स्वर धैवत और संवादी स्वर रिषभ है. यह भैरवी मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

अब तोरे बाँकी—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग रे सा नि रे सा ध प ध नि ध नि सा रे ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग रे सा म ग प म ग रे ग म प ग रे ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग रे म म प ग म नि ध प म म ग रे सा ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
ग म प ग म नि ध प सां नि ध प ग म नि ध

आ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे ॥

५. आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ
ग॒ सा रे॒ नि॒ सा ग॒ म ध॒ प नि॒ ध॒ सां रे॒ सां नि॒ ध॒

ऽ आ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प ग॒ म प म ग॒ रे॒ सा ॥.

६. आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ
ग॒ म नि॒ ध॒ सां ग॒ रे॒ सां सां रे॒ सां सां नि॒ ध॒ प म

ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ ॥
ग॒ म ग॒ रे॒ सा रे॒ ॥

७. आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ आँ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
ग॒ म ध॒ नि॒ सां ग॒ रे॒ ग॒ म प म ग॒ रे॒ सां रे॒ सां

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि॒ ध॒ प म ग॒ म ग॒ प म ग॒ म ध॒ नि॒ सां ॥

तान.

१. आँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि॒ सा ग॒ ग॒ रे॒ सा नि॒ सा ग॒ म प म ग॒ रे॒ सा सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म प ध नि नि ध प म ग रे ग रे सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा रे ग म प ध नि सा रें सां नि ध प म ग रे ॥

४. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा रे ग म प ध नि सां गं गं रें सां नि ध प म

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग रे ग म ग रे सा सा ॥

५. आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
सा ग म प ध नि सां गं मं पं मं गं रें सां नि ध

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे ग रे सा सा ॥

फिरकत.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ
नि सा ग म प म ग म प ध प म ग म प ध

ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
नि ध प म ग म प ध नि सां गं गं रें सां नि ध

ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग रे ग रे सा सा ॥

उतरती

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
गं रें सां नि रें सां नि ध सां नि ध प नि ध प म

आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ध प म ग प म ग रे म ग रे ग सा रे नि सा ॥

राग पीलू.

इस राग में रिषभ, गंधार, धैवत, निषाद कोमल और शुद्ध दोनों लगते है यह बहुत मधुर राग है इस राग का गाने का समय दिनके तीसरा प्रहर. है. परंतु लोग इसको चाहे जिस वक्त गाते है. इस राग का वादी स्वर गंधार और संवादी स्वर निषाद है. यह पीलू मेल का मुख्य राग है.

आलाप (त्रिताल)

राम बिन मोहे—

१. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
सा ग॒ रे॒ सा नि॒ सा नि॒ ध॒ प म प नि॒ सा ग॒ रे॒ सा ॥

२. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ॥
सा ग॒ रे॒ सा सा ग॒ रे म म प म म ग॒ रे॒ सा ॥

३. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि॒ सा ग॒ ग॒ रे म ग॒ म प ग॒ म ग॒ रे॒ सा नि॒ सा ॥

४. आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग॒ म ग॒ म प नि॒ ध प म ग॒ म ग॒ रे॒ सा नि॒ सा ॥

५. आ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
सा ग॒ म प ग॒ म प नि॒ ध प ग॒ म प सां नि॒ ध
ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म प म म ग॒ रे॒ सा नि॒ सा ॥

६. आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ
सा ग॒ म प ग॒ म प नि ध म प नि॒ सां ग॒ रे॒ सां
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि॒ ध॒ प ग॒ रे॒ ॥

तान.

१. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
निसा ग ग रे सा नि सा ग म प म ग रे सा सा ॥

२. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प नि नि ध प म ग म ग रे सा सा ॥

३. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
नि सा ग म प सां नि ध प म ग म ग रे सा नि ॥

४. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
सा ग म प नि सां रें रें सां नि ध प ग रे सा सा ॥

५. आं ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
ग म प नि सां गं मं गं रें सां नि ध प म ग रे ॥

६. आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आ ऽ
ग म प नि सां गं मं पं मं गं मं गं रें सां नि ध

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ॥
प म ग म ग रे सा नि ध प म प नि सा ग रे ॥

शुद्धीपत्र.

नंबर.	पृष्ठ संख्या.	लाइन.	अशुद्ध.	शुद्ध.
१	६	१६	ग रे सा	ग रे सा.
२	९	६	रेसा	रे सा.
३	१५	२	पम	पम्.
४	१५	५	सा ग	सा ग.
५	१५	८	पमगम्	पम्गम.
६	१७	१	आँ	आँ.
७	२१	१२	सा सा	सा सा.
८	२२	८	सा रे	सा रे.
९	३२	१०	रे सा	रे सा.
१०	२५	६	नि प	०
११	२७	१६	सासा	सासारे.
१२	३२	६	सा सा	सा सा.
१३	३२	८	सा रे	सा रे.